

ज्ञान मंथन

- हाल ही में, च्लर्ड ग्रीन इकांमिनी फेरमज्ज का शुभारंभ कहीं किया गया?
- मुडबिदी में आयोजित 14वीं द्विवार्षिक झील सम्मेलन का विषय क्या है?
- कौन सा राज्य 392 अकों के साथ राष्ट्रीय पैरा-स्विमिंग चैम्पियनशिप 2024 जीता?
- कैसावा का दुनिया में सबसे बड़ा उत्पादक देश कौन सा है?
- करमौर के हस्त-गुथित कालीन का स्थानीय नाम क्या है?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)



उत्तर माला

- दुबई (2) मानव कल्याण के लिए आर्द्रभूमि (3) कर्नाटक (4) नासरीरिया (5) काल बाढ़ी

डोंगरगढ़ शहर मंडल पंडित दैनदयाल उपाध्याय

प्रशिक्षण महाभियान का शानदार हुआ समापन



डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स) डोंगरगढ़ शहर मंडल के नेतृत्व में 2 दिवसीय 6 से 7 अंश तक चले पंडित दैनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान का शानदार समापन हुआ जिसमें प्रमुख रूप से समाप्ति के लिए अंतर्गत प्रशासनिक कार्य, समाज सेवा और संगठन के विस्तार के लिए सक्रिय रूप से सहमति जताया। प्रदेश अध्यक्ष आर्षिक सिंह के अनुसूचक प्रशासनिक कार्य, समाज सेवा और संगठन के विस्तार के लिए सक्रिय रूप से सहमति जताया। प्रदेश अध्यक्ष आर्षिक सिंह के अनुसूचक प्रशासनिक कार्य, समाज सेवा और संगठन के विस्तार के लिए सक्रिय रूप से सहमति जताया। प्रदेश अध्यक्ष आर्षिक सिंह के अनुसूचक प्रशासनिक कार्य, समाज सेवा और संगठन के विस्तार के लिए सक्रिय रूप से सहमति जताया।

क्रिकेट ट्रायल 12 अप्रैल को

राजनंदगांव (नांदगांव टाइम्स) जिला क्रिकेट एसोसिएशन राजनंदगांव द्वारा जिले की 16 वर्ष आयु वर्ग की टीम को गठन हेतु आगामी 12 अप्रैल 2026 दिन-रविवार को दिव्यव्यय स्टेडियम राजनंदगांव में चयन प्रक्रिया का आयोजन किया गया है। चयन प्रक्रिया सुबह 08:30 बजे से प्रारंभ होगी। चयन विभाग का जन्म 01 दिसम्बर 2010 व 31 अगस्त 2012 के बीच हुआ होगा वे ही इस चयन प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। उक्त चयन प्रक्रिया में वे ही खिलाड़ी भाग ले सकते हैं जिन्होंने वर्ष 2026-27 हेतु चयन प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। चयन प्रक्रिया में वे ही खिलाड़ी भाग ले सकते हैं जिन्होंने वर्ष 2026-27 हेतु चयन प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। चयन प्रक्रिया में वे ही खिलाड़ी भाग ले सकते हैं जिन्होंने वर्ष 2026-27 हेतु चयन प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं।

शिक्षित-अपार संभावनाएं योजना से दिव्यांग विद्यार्थियों को मिल रहा नया हौसला

शिक्षा में आगे बढ़ने का दे रही अवसर, बढ़ रहा दिव्यांग विद्यार्थियों का आत्मविश्वास

कबीरधाम नांदगांव टाइम्स। मेहनत, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ यदि कोई आगे बढ़े तो कोई भी बाधा उसकी सफलता की राह में रूकावट नहीं बन सकती। छात्रीसमूह शासन द्वारा दिव्यांग विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित शिक्षित-अपार संभावनाएं योजना ऐसे ही विद्यार्थियों को जीवन में नई उम्मीद जगा रही है। यह योजना दिव्यांग छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहन राशि प्रदान कर उनकी पढ़ाई को आगे बढ़ाने के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास को भी मजबूत कर रही है। जिले में इस योजना के माध्यम से वर्ष 2023 से 2026 तक कुल 35 दिव्यांग विद्यार्थियों को 4 लाख 76 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा चुकी है। इसमें सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 6 दिव्यांगजनों को 2 लाख 90 हजार रुपये तथा शिक्षा प्रोत्साहन योजना के तहत 29 दिव्यांग विद्यार्थियों को 1 लाख 86 हजार रुपये की सहायता राशि दी गई है। इस योजना के माध्यम से दिव्यांग विद्यार्थियों को न केवल आर्थिक सहयोग मिल रहा है, बल्कि उन्हें अपने सपनों को साकार करने का नया हौसला भी मिल रहा है। शासन की यह पहल दिव्यांग विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए उन्हें समाज की सख्तपार से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। कर्मचारी के ऐसे ही एक होना छत्र रक्षितों साहू ने अपनी दिव्यांगता को कमजोरी नहीं, बल्कि हौसले की ताकत बनाकर यह साबित कर दिया है कि कठिन परिस्थितियों में भी मेहनत और लगन से बड़ी उपलब्धि हासिल की जा सकती है। कर्मचारी के दुर्भाग्यवश वैक रिक्त स्वामी आदान-दत्त अंतिम माध्यम विद्यालय में अध्ययन रखाया साहू ने कक्षा 10वीं को पंजीयन में कुल 600 अंकों से 378 अंक (63 प्रतिशत) प्राप्त किया। रणियायु 40 प्रतिशत अंतिम बाँधित दिव्यांग है, इसके बावजूद उन्होंने निरंतर परिश्रम और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ पढ़ाई करते हुए यह सफलता हासिल की। शिक्षा सत्र 2024-25 में कक्षा 10वीं में दिव्यांगजनों की श्रेणी में जिला कबीरधाम में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र रणियायु साहू को समाज कल्याण विभाग द्वारा 2 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। यह राशि उन्हें उनकी शैक्षणिक उपलब्धि के लिए प्रोत्साहन स्वरूप दी गई।



केवल आर्थिक सहयोग मिल रहा है, बल्कि उन्हें अपने सपनों को साकार करने का नया हौसला भी मिल रहा है।

क्षत्रिय करणी सेना अरविन्द सिंह राजपूत जिला मीडिया प्रभारी मनोनीत

पदसराज सिंह ठाकुर कबीरधाम (नांदगांव टाइम्स)। क्षत्रिय करणी सेना के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजू खेरवाल द्वारा संगठनात्मक मजबूती के लिए विभिन्न राज्यों के जिले में वरिष्ठाधिकारियों की नियुक्ति व सामाजिक कार्य, समाज सेवा और संगठन के विस्तार के लिए सक्रिय रूप से सहमति जताया। प्रदेश अध्यक्ष आर्षिक सिंह के अनुसूचक प्रशासनिक कार्य, समाज सेवा और संगठन के विस्तार के लिए सक्रिय रूप से सहमति जताया। प्रदेश अध्यक्ष आर्षिक सिंह के अनुसूचक प्रशासनिक कार्य, समाज सेवा और संगठन के विस्तार के लिए सक्रिय रूप से सहमति जताया। प्रदेश अध्यक्ष आर्षिक सिंह के अनुसूचक प्रशासनिक कार्य, समाज सेवा और संगठन के विस्तार के लिए सक्रिय रूप से सहमति जताया।

मीडिया प्रभारी मुंगेली (छा.) के रूप में मिले इस सम्मान को अरविन्द सिंह राजपूत ने कला कि में केवल पद नहीं बल्कि सेवा संबंध और उत्तरदायित्व के रूप में स्वीकार किया है। मैं संकल्प लेता हूँ कि इस दायित्व को निर्वहन पूर्ण निष्ठा ईमानदारी और समर्पण भाव के साथ करूँगा तथा संगठन की मजबूती और समाजहित के लिए निरंतर कार्यरत रहूँगा उन्हीं सभी बलिष्ठों, साधियों और भूमिचिंतकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए क्षत्रिय समाज द्वारा सौंपे गए इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए इच्छा से आभार जताता।

कबीरधाम जिले में मनाया गया चावल उत्सव 516 राशन दुकानों में हुआ खाद्यान्न वितरण

पदसराज सिंह ठाकुर कबीरधाम (नांदगांव टाइम्स)। कबीरधाम जिले में 07 अप्रैल को चावल उत्सव का आयोजन किया गया। यह आयोजन जिले के सभी 516 राशन दुकानों में किया गया। चावल उत्सव के दौरान सार्वजनिक समिति सदस्यों, जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में हितग्राहियों को चावल वितरण किया गया। उल्लेखनीय है कि शासन ने हितग्राहियों को तीन महीने का राशन एकमुश्त देने का निर्णय लिया है। जिसके लिए राशन केंद्रों में भंडारण करवाया जा रहा है। चावल उत्सव के माध्यम से हितग्राहियों को चावल आबंटन किया जा रहा है। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने



इसको लेकर खाद्य अधिकारियों को सभी केंद्रों में समुचित खाद्यान्न उपलब्धता और सुचारु वितरण सुनिश्चित करने के लिए विशेष रूप से निर्देशित किया गया है। जिला खाद्य अधिकारी श्री चंदेश्वर देवांगन ने बताया कि जिले के सभी 516 पंचायत मूल्य की राशन दुकानों में चावल उत्सव के मेहनतार भंडारण और वितरण संचालित, जनप्रतिनिधियों और

पीएम-आशा योजना अंतर्गत किसानों के पंजीयन की तिथि 20 अप्रैल 2026 तक बढ़ाई गई

पदसराज सिंह ठाकुर कबीरधाम (नांदगांव टाइम्स)। प्रधानमंत्री आशा योजना में रखे हुए शासन द्वारा निर्देशित किया गया है कि फसल पटवारी एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों के संयुक्त हस्ताक्षरकृत प्रमाण पत्र को मान्य किया जाएगा। इसके आधार पर समितियों द्वारा उपलब्ध की कार्रवाई की जाएगी। योजना अंतर्गत पंजीकृत किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसलों की खरीदी की जाएगी, जिसमें अग्रह 8000 रुपए, मूंग 8768 रुपए, उड़द 7800 रुपए, मूंगफली 7263 रुपए, सोयाबीन 5328 रुपए, चना 5875 रुपए, मसूर 7000 रुपए एवं सरसों 6500 रुपए प्रति किलो निर्धारित है। फसल उपजान का कार्य जिले में किनविकित उपजान केंद्रों के माध्यम से किया जाएगा, जहाँ केंद्रीय एजेंसी नेटवर्क द्वारा खरीदी की जाएगी। उपजान कार्य समाप्त में सोमवार को शूकरार तक संचालित होगा साथ ही, खरीदफसलों की खरीदी निर्धारित सीमा के अनुसार को जाएगी, जिसमें अग्रह, मूंग एवं उड़द 3 किलो प्रति एकड़, मूंगफली 7 किलो प्रति एकड़ तथा सोयाबीन 5 किलो प्रति एकड़ की दर से उपजान किया जाएगा। जिले के सभी किसानों से अपील की है कि वे समय-सीमा के भीतर पंजीयन कार्यकर शासन द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अपनी उज्ज का विक्रय कर योजना का लाभ उठाएं।

धान में रखे हुए शासन द्वारा निर्देशित किया गया है कि फसल पटवारी एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों के संयुक्त हस्ताक्षरकृत प्रमाण पत्र को मान्य किया जाएगा। इसके आधार पर समितियों द्वारा उपलब्ध की कार्रवाई की जाएगी। योजना अंतर्गत पंजीकृत किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसलों की खरीदी की जाएगी, जिसमें अग्रह 8000 रुपए, मूंग 8768 रुपए, उड़द 7800 रुपए, मूंगफली 7263 रुपए, सोयाबीन 5328 रुपए, चना 5875 रुपए, मसूर 7000 रुपए एवं सरसों 6500 रुपए प्रति किलो निर्धारित है। फसल उपजान का कार्य जिले में किनविकित उपजान केंद्रों के माध्यम से किया जाएगा, जहाँ केंद्रीय एजेंसी नेटवर्क द्वारा खरीदी की जाएगी। उपजान कार्य समाप्त में सोमवार को शूकरार तक संचालित होगा साथ ही, खरीदफसलों की खरीदी निर्धारित सीमा के अनुसार को जाएगी, जिसमें अग्रह, मूंग एवं उड़द 3 किलो प्रति एकड़, मूंगफली 7 किलो प्रति एकड़ तथा सोयाबीन 5 किलो प्रति एकड़ की दर से उपजान किया जाएगा। जिले के सभी किसानों से अपील की है कि वे समय-सीमा के भीतर पंजीयन कार्यकर शासन द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अपनी उज्ज का विक्रय कर योजना का लाभ उठाएं।

मानु सोनी के नए संगठन पर स्वर्णकार संघ का विरोध, पदाधिकारियों को किया निष्कासित

राजनंदगांव (नांदगांव टाइम्स)। जिला स्वर्णकार संघ को एक आवश्यक बैठक 6 वर्षांतर संघ स्तन 2011 से रजिस्ट्रार फर्म व सोसायटी रजिस्ट्रार से पंजीकृत संस्था है। संस्था 16 वर्षों से सोनार समाज के हितों के लिए कार्य कर रही है। ज्ञात हो कि स्वर्णकार समाज के लिए सामुदायिक भवन कमाना कलेज राजनंदगांव के पास निर्माणशील है, जो पूर्णतः की ओर है। महेश सोनी, राजू सोनी व प्रणय सोनी राजनंदगांव जिला स्वर्णकार संघ में पदाधिकारी पद पर रहते हुए भानु सोनी द्वारा गठित जिला सोनार समाज के संगठन में पदाधिकारी का पद लिया है, जो संघ के बायोलायल के नियम 8 (ड) का उल्लंघन है। इसलिए उन्हें संघ के पदों से निष्कासित करने को कार्रवाई का प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया है। बैठक में प्रमुख रूप से शंकर नावतिया, कृष्ण कुमार सोनी, ईशर सोनी, बालू लाल सोनी, कमलेश कुमार स्वर्णकार, विवेकरंजन सोनी, अनिल नावतिया, ऐश्वर्य सोनी, गिरिश सोनी, शक्ति सोनी, अणवेश सोनी, प्रदीप कर्नाडे, प्रकाश अश्लिसेल और दुर्गाशंकर उपाध्याय शामिल थे। उक्त जानकारी के तहत स्वर्णकार मिडिया प्रभारी ने प्रेष विज्ञापित में दी है।

धर्म समाचार...



ज्योतिष शास्त्र में सूर्य देव को ग्रहों का राजा माना जाता है। जब भी सूर्य एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करते हैं, तो उसे 'संक्रान्ति' कहा जाता है। लेकिन, 14 अप्रैल 2026 को होने वाला सूर्य का गोचर बहुत खास है। इस दिन सूर्य देव मान राशि को छोड़कर अपनी उच्च राशि मेष में प्रवेश करेंगे, जिसे 'मेष संक्रान्ति' या 'सोलर नववर्ष' कहा जाता है। वैदिक ज्योतिष के प्रमुख पाशुपत होराशास्त्र और 'फलाधिकार' के अनुसार, जब सूर्य अपनी उच्च राशि में होते हैं, तो वे व्यक्ति को धन, मान-सम्मान और करियर में नई ऊंचाइयों पर ले जाते हैं। इस साल का

सोलर नववर्ष इन 4 राशियों के लिए रहेगा लकी, करियर में मिलेगी जबरदस्त तरकी

सोलर नववर्ष विशेष रूप से 4 राशियों के लिए किसी बरदान से कम नहीं होने वाला है। आइए जानते हैं वो भाग्यशाली राशियाँ कौन सी हैं।

- मेष राशि** - सूर्य का प्रवेश आपकी ही राशि में हो रहा है। ऐसे में आपके आत्मविश्वास में गजब की बढ़ोतरी होगी। अगर आप संघे समय से प्रेमोन्नत या नई नौकरी का इंतजार कर रहे थे, तो अब वो समय आ गया है। समाज में आपका कद बढ़ेगा और लोग आपकी सराहना करेंगे।
- सिंह राशि** - सूर्य आपकी राशि के स्वामी हैं। सोलर नववर्ष आपके लिए भाग्य के द्वार खोलने वाला है। जो लोग सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं या राजनीति से जुड़े हैं, उन्हें कोई बड़ा पद मिल सकता है। पिता या उच्च अधिकारियों को पूरा सहयोग मिलेगा।
- पुष्य राशि** - सूर्य का यह गोचर आपके पुराने सपने को पूरा करेगा। करियर में जो चुनौतियाँ आ रही थीं, वे धीरे-धीरे खत्म होंगी। धियमसे करने वालों के लिए यह समय निवेश का है, जिससे परिश्रम में बड़ा मुनाफा होगा। आपके शास्य और मेहनत की हर जगह लाभफेदीगी।
- मृगशिरा राशि** - आपके लिए यह समय नई शुरुआत का है। अगर आप बिनाश याक कमा का काम करते हैं या किसी बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना चाहते हैं तो रास्ते साफ हो जाएंगे। आपकी रचनात्मकता (बड़ेगी और आप अपनी शक्ति के बल पर कठिन से कठिन कार्य भी आसानी से पूरा कर लेंगे।

रिश्ता होते-होते बार-बार टूट रहा है? कुंडली के ये 4 गह बिगाड़ रहे आपका खेल, यहां देखें तोड़

शारी एक ऐसा खूबसूरत बंधन है, जिसका इंतजार हर एकां को होता है। लेकिन, कई बार सब कुछ सही होने के बावजूद - जैसे अच्छी नौकरी, संस्कारी स्वभाव और बढ़िया परिवार, शारी को थका खनन नहीं हो पाती। कभी रिश्ता जुड़ने-जुड़ने टूट जाता है, तो कभी अच्छे रिश्ते ही नहीं आते। वैदिक ज्योतिष की मान्यताओं में इस देरी के पीछे ग्रहों की चाल को अहम कारण माना गया है। जानते हैं कि कुंडली के कौन से 'दोष' इस तरह में दीवार बनाकर खड़े हो जाते हैं।

कुंडली का वह सतवां घर - ज्योतिष शास्त्र में कुंडली के 12 घरों में 'सातवां घर' शारी और जीवनसाथी को होता है। अगर इस घर का स्वामी कमजोर हो या वह किसी गलत जगह (जैसे 6, 8, 9 या 12वां घर) में जाकर बैठ जाए, तो शारी में अहर्षण आने लगती है।

ग्रह दोष का होता है खेल - शनि देव को 'धीमी चाल' शान को अनुशासन और न्याय का देवता माना जाता है, लेकिन इनकी चाल बहुत धीमी होती है। अगर शनि का प्रभाव सातवां घर पर हो, तो अक्सर शारी 30 साल की उम्र के बाद ही होती है। हालाँकि, ज्योतिष के अनुसार शनि की बहाव से होने वाली देरी बाद में एक मजबूत और टिकाऊ रिश्ता देती है।

मंगल का दोष - आपने 'मंगलिक' शब्द तो सुना ही होगा। अगर कुंडली में मंगल भारी हो, तो न केवल शारी में देरी होती है, बल्कि शारी के साथ भी आपसी तालमेल बिचने में दिक्कत आती है।

राहु और केतु का धम - ये दोनों खया ग्रह हैं। इनका प्रभाव हो तो रिश्ता कलह-होते-होते अचानक किसी गलतफहमी की वजह से टूट जाता है। राहु और शुक की स्थिति: सद्बुद्धियों के लिए 'राहु' (बुद्धिमत्) और लड़कों के लिए 'शुक' ग्रह का मजबूत होना बहुत जरूरी है। अगर ये ग्रह कमजोर हैं, तो शारी के योग बनने में बहुत समय लगता है।

